आयोजन

कार्यक्रम में महिला उद्यमियों को किया सम्मानित, छात्रों ने नृत्य और गायन की दी मनमोहक प्रस्तुति

महिला उद्यमियों ने बताई सफलता की कहानी

उमर उजाला 20/oct/2023

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। स्मृति विकास संस्थान की ओर से दून विवि में आयोजित उद्यमिता महिला सम्मेलन व सम्मान समारोह में महिला उद्यमियों ने अपनी सफलता के पीछे की कहानी बताई। उन्हें सम्मानित भी किया गया। वहीं, देर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूल-कॉलेज के छात्रों ने नृत्य व गायन की प्रस्तुति से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। शुक्रवार को पांच दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने मुख्य अतिथि शिरकत की। कहा, आज भारत की नारी समस्त क्षेत्रों में परचम लहरा रही हैं। विशिष्ट अतिथि पहुंची नेहा जोशी ने कहा, हमारा देश और संस्कृति इस देश की नारी शक्ति की दी हुई पहचान है। इस दौरान संयोजिका डॉ. अंजली वर्मा, अंजना, सुमन चौहान आदि मौजूद रहे।

उद्यमिता महिला सम्मान समारोह में सम्मान पाने वाली महिलाओं के साथ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल। संवाद

इन्होंने किया प्रतिभाग

महिला एवं बाल विकास विभाग, मानव तस्करी रोधी पुलिस, समाज कल्याण विभाग, राज्य बाल संरक्षण समिति के अधिकारी व बचपन बचाओ आंदोलन, आसरा ट्रस्ट, माहिला मोर्चा, भुबनेश्वरी महिला आश्रम जैसे नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

भिखारियों के पुनर्वास के लिए योजना बनाना चुनौती

देहरादून। दून विवि में बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यशाला में वक्ताओं ने भिक्षावृत्ति विषय पर विचार रखे। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति गंभीर समस्या है। यह अच्छे सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के बावजूद आधुनिक समाजिक जीवन में बनी हुई है। दून भी इस खराब स्वरूप से अछूता नहीं है। राज्य में भिखारियों के पुनर्वास के लिए आजीविका का वैकल्पिक योजना बनाना एक बड़ी चुनौती है। कार्यशाला में विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, विवि के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के डीन प्रो. राजेंद्र ममगाईं, हर्ष डोभाल, डॉ. सुशांत कुमार, डॉ. अंगसुमन सरमा, हर्षिता, डॉ. नरेश मिश्रा, आदित्य मौजूद रहे। मा.सि.रि